085/X/SA2/37/A1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **1x5=5**

जीवन तीन तरह होता है। पहला परोपकारी जीवन, दूसरा सामान्य जीवन और तीसरा उपकारी जीवन। इसे उत्तम, मध्यम और अधम जीवन भी कहा जा सकता है। उत्तम जीवन उनका होता है जिन्हें दूसरों के उपकार में सुख का अनुभव होता है, भले ही स्वयं उन्हे उससे कष्ट या नुकसान उठाना पड़े। इसे यज्ञीय जीवन भी कहा जाता है। यही दैवत्वपूर्ण जीवन है। शास्त्र में यज्ञ उसे कहा गया है, जिसमें प्राणीमात्र का हित होता है यानी जिन कर्मों से समाज में सुख, ऐश्वर्य और प्रगति में बढ़ोत्तरी होती है। इसलिए कहा गया है कि यदि पृथ्वी को बचाना हो तो श्रेष्ठ कर्मो की तरफ समाज़ को लगातार प्रेरित करने का कार्य करना चाहिए। सामान्य जीवन वह होता है जो परंपरा के अनुसार चलता है। यानी अपना और दूसरे का स्वार्थ साधता रहे। इस जीवनयापन में कोई बहुत ऊँची समाजोत्थान या परोपकार की भावना नहीं होती है। अपकारी यानी दूसरों को परेशान करने वाला जीवन ही राक्षसी जीवन कहा जाता है। इस तरह के जीवन से समाज में सभी तरह की समस्याएँ पैदा होती हैं। दैवत्वपूर्ण जीवन से प्रेम, दया, अहिंसा, सत्य और सद्भावना की प्रवृत्ति बढ़ेगी। ये सारे सद्गुण ही जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए आवश्यक माने गए हैं।

(क) यज्ञीय जीवन किसे कहा गया है? **1**

(i) ज्यादा समय यज्ञ करने में बीते।

(ii) ज्यादा समय परोपकार करने में बीते।

(iii) ज्यादा कर्म करने में समय बीते।

(iv) ज्यादा समय अपने काम में बीते।

(ख) सभी प्राणियों के हित के लिए ऐसे काम करें जिन्हें - **1**

(i) अपने कर्मों पर ध्यान जाए।

(ii) व्यक्तिगत विकास हो।

(iii) सुख और ऐश्वर्य में वृद्धि हो।

(iv) परंपरा के मुताबिक कार्य हो।

(ग) सामान्य व्यक्ति कैसा जीवन जीते हैं? **1**

(i) धन कमाने में लगे रहते हैं।

(ii) दूसरों से ईर्ष्या करते हैं।

(iii) परंपरा के अनुसार चलते हैं।

(iv) स्वार्थ सिद्धि में लगे रहते हैं।

(घ) जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए क्या जरूरी है? **1**

(i) प्रेम

(ii) दया

(iii) अहिंसा

(iv) उपर्युक्त सभी

(ङ) अहिंसा और सत्य के विलोम शब्द हैं - **1**

(i) हिंसा, झूठ

(ii) मारकाट, असत्य

(iii) हिंसा, असत्य

(iv) हिंसक, असत्यता

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पुछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** 1x5=5

युवा को यह सदा स्मरण रखना चाहिए की वह बहुत कम बातें जानता है, अपने ही आदर्श से वह बहुत नीचा है और उसकी आकांक्षाएँ उसकी योग्यता से कहीं बढ़ी हुई हैं। उसे इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह अपने बड़ों का सम्मान करे, छोटों और बराबर वालों से कोमलता का व्यवहार करे। ये बातें आत्म-मर्यादा के लिए आवश्यक हैं। यह सारा संसार, जो कुछ हम है और जो कुछ हमारा है - हमारा शरीर, हमारी आत्मा, हमारे कर्म, हमारे भोग, हमारे घर की और बाहर की दशा, हमारे बहुत-से अवगुण और थोड़े गुण, सब इसी बात की आवश्यकता प्रकट करते हैं कि हमें अपनी आत्मा को नम्र रखना चाहिए। दब्बूपन कायरता है। इसमें व्यक्ति दूसरों की कृपा पाने की इच्छा रखता है, जिससे उसमें आत्म-विश्वास की कमी होती है। इरादे कमजोर हो जाते हैं। नम्रता से मेरा अभिप्राय दब्बूपन से नहीं है। सच्ची आत्मा वही है जो प्रत्येक दशा में अपनी राह आप निकालती है।

(क) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा - 1

(i) आत्मविश्वास

(ii) युवकों से

(iii) अपना निर्णय

(iv) हमारे आदर्श

(ख) आकांक्षाएँ उसकी योग्यता से कहीं बढ़ी हुई हैं। कथन का आशय है - 1

(i) आकांक्षाएँ बढ़ी हुई हैं योग्यता नहीं।

(ii) योग्यता बढ़ी हुई हैं आकांक्षाएँ नहीं।

(iii) दोनों बढ़ी हुई हैं।

(iv) कहीं बढ़ी हुई हैं कहीं नहीं।

(ग) दब्बूपन को कायरता माना गया है, क्योंकि - 1

(i) विनम्रता आ जाती है।

(ii) परिवार में दबदबा खत्म हो जाता है।

(iii) हर वक्त दूसरों से ड़रता है।

(iv) दूसरों की कृपा पाने की इच्छा रखता है।

(घ) गद्यांश का मुख्य संदेश है - 1

(i) झटपट निर्णय लें।

(ii) सही समय पर सही फैसले करें।

(iii) आदर्शों का पालन करें।

(iv) विनम्र और मर्यादित जीवन जिएँ।

(ङ) सच्ची आत्मा वही है जो 1

(i) पराधीन न हो।

(ii) दूसरों की कृपा चाहती हो।

(iii) अपना निर्णय स्वयं करे।

(iv) दूसरों के सूझाव माने।

3. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** 1x5=5

मन समर्पित, तन समर्पित
और यह जीवन समर्पित
चाहता हूँ, देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

माँ, तुम्हारा ऋण बहुत है, मैं अकिंचन,
किंतु इतना कर रहा फिर भी निवेदन।
थाल में लाऊँ सजाकर भाल जब भी,
कर दया स्वीकार लेना वह समर्पण।
गान अर्पित, प्राण अर्पित,
रक्त का कण-कण समर्पित।
चाहता हूँ, देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

कर रहा आराधना मैं आज तेरी,
एक बिनती तो करो स्वीकार मेरी।
भाल पर मल दो चरण की धूल थोडी,
शीश पर आशीष की छाया धनेरी।
स्वप्न अर्पित, प्रश्न अर्पित,
आयु का क्षण-क्षण समर्पित
चाहता हूँ, देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

(i) इस कविता का उचित शीर्षक होगा - **1**
(क) तन समर्पण।
(ख) मन समर्पण।
(ग) धन समर्पण।
(घ) सर्वस्व समर्पण।

(ii) 'माँ, तुम्हारा ऋण बहुत है।' कथन में 'माँ' से तात्पर्य है - **1**
(क) माता
(ख) विमाता
(ग) मातृभूमि
(घ) देवी

(iii) कवि मातृभूमि से क्या निवेदन कर रहा है? **1**
(क) मेरा दान स्वीकार करना।
(ख) मेरा बलिदान स्वीकार करना।
(ग) मेरा आग्रह स्वीकार करना।
(घ) मेरी पूजा स्वीकार करना।

(iv) कविता किसे संबोधित है - **1**
(क) युवकों को।
(ख) कवियों को।
(ग) माँ को।
(घ) मातृभूमि को।

(v) किस कथन से लगता है कि कवि को बड़े से बड़ा दान भी अपर्याप्त लगता है? **1**
(क) जीवन समर्पित।
(ख) कुछ और भी दूँ।
(ग) थाल में भाल सजाकर लाऊँ।
(घ) आयु का क्षण-क्षण समर्पित।

4. काव्यांश के आधार पर प्रश्नों के सही उत्तर वालें विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

जो पूर्व में हम को अशिक्षित या असभ्य बता रहे-
वे लोग या तो अज्ञ हैं या पक्षपात जता रहे।
यदि हम अशिक्षित थे, कहें तो सभ्य वे कैसे हुए?
वे आप ऐसे भी नहीं थे, आज हम जैसे हुए।।
ज्यों-ज्यों हमारी प्रचुर प्राचीनता की खोज बढ़ती जाएगी,
त्यों-त्यों हमारी उच्चता पद आप चढ़ती जाएगी।
जिस ओर देखेंगे हमारे चिन्ह दर्शक पाएँगे।।
कल जो हमारी सभ्यता पर थे हँसे अज्ञान से -
वे आज लज्जित हो रहे हैं अधिक अनुसंधान से।
गिरते हुए भी दूसरों को हम चढ़ाते ही रहे,
घटते हुए भी दूसरों को हम बढ़ाते ही रहे।।

(i) कवि के अनुसार अज्ञानी वे हैं जो हमारे पूर्वजों को - **1**

(क) कायर और ढोंगी कह रहे हैं।
(ख) पक्षपाती और चाटुकार कह रहे हैं।
(ग) अशिक्षित और असभ्य कह रहे हैं।
(घ) आतंकी और क्रूर कह रहे है।

(ii) प्राचीनता की खोज से हमें क्या लाभ होगा? **1**

(क) हम स्वयं हर जगह होंगे।
(ख) खोज के रास्ते बढ़ जाएँगे।
(ग) हमारी उच्चता प्रमाणित होगी।
(घ) दुनिया पराजित होगी।

(iii) 'वे आप वैसे भी नहीं थे।' का तात्पर्य है कि शेष विश्व हमारे समान - **1**

(क) सभ्य नहीं था।
(ख) धनी नहीं था।
(ग) प्राचीन नहीं था।
(घ) प्रगतिशील नहीं था।

(iv) अपनी अवनति के दिनों में भी हम क्या प्रयास करते रहे? **1**

(क) दूसरों की उन्नति का।
(ख) दूसरों को लज्जित करने का।
(ग) दूसरों को नष्ट करने का।
(घ) दूसरों को लूटने का।

(v) पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक रहेगा - **1**

(क) अतीत का गौरव।
(ख) प्राचीनता की खोज।
(ग) अशिक्षित कौन।
(घ) लज्जा की बात।

खंड 'ख'

5. (i) हमेशा शोर करने वाला वह आज शांत है। वाक्य में सर्वनाम पदबंध है - **1**

(क) आज वह।

(ख) हमेशा शोर।

(ग) शोर करने वाला।

(घ) हमेशा शोर करने वाला वह।

(ii) वह <u>सदा हँसता हुआ</u> आता है। रेखांकित में पदबंध का भेद है - **1**

(क) सर्वनाम

(ख) क्रिया विशेषण

(ग) क्रिया

(घ) विशेषण

(iii) <u>कोई</u> द्वार पर आया है। रेखांकित पद का पद परिचय है। **1**

(क) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

(ख) विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

(ग) निश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

(घ) प्रश्नवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

(iv) बड़े भाई साहब <u>नवीं</u> कक्षा में पढ़ते थे। रेखांकित का पद परिचय लिखिए **1**

(क) गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(ख) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन।

(ग) परिमाणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(घ) निश्चितसंख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन।

6. (i) 'कर्म करने में ही तुम्हारा अधिकार है, पर फल पर नहीं।' रचना की दृष्टि से वाक्य भेद है - **1**

(क) आज्ञावाचक वाक्य।

(ख) सरल वाक्य।

(ग) मिश्र वाक्य।

(घ) संयुक्त वाक्य।

(ii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है **1**

(क) विद्वान का आदर सब जगह होता है।

(ख) जो विद्वान है उसका सब जगह आदर होता है।

(ग) वह विद्वान है इसलिए सब जगह उसका आदर होता है।

(घ) विद्वान होने के कारण सब उसका आदर करते है।

(iii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है - **1**

(क) मेरे पास एक बहुत सुंदर कमीज़ है।

(ख) मेरे पास एक कमीज़ है और वह बहुत सुंदर है।

(ग) मेरे पास जो कमीज़ है, वह बहुत सुंदर है।

(घ) मेरी कमीज़ सुंदर है।

(iv) 'वह गाँव से आया है। वह मेहनती है।' इन वाक्यों से बना मिश्र वाक्य है - **1**

(क) गाँव से आनेवाला मेहनती है।

(ख) जो गाँव से आया है वह मेहनती है।

(ग) वह गाँव से आया है इसलिए वह मेहनती है।

(घ) वह मेहनती है क्योंकि वह गाँव से आया है।

7. (i) 'फलादेश' का संधि - विच्छेद है - **1**

(क) फला+आदेश

(ख) फल + आदेश

(ग) फला + देश

(घ) फल + अदेश

(ii) अरुण + उदय की संधि है। **1**

(क) अरुणुदय

(ख) अरुणोदय

(ग) अरुणोद्य

(घ) अरुणादय

(iii) 'नीलगगन' समस्तपद का विग्रह है - **1**

(क) नीला है जो गगन।

(ख) नील का गगन।

(ग) नीला और गगन।

(घ) नीले गगन का समूह।

(iv) 'हवन के लिए सामग्री' का समस्त पद है - **1**

(क) हवन सामग्रि।

(ख) हवन सामग्री।

(ग) होम सामग्री।

(घ) यज्ञ सामग्री।

8. (i) गलती करने पर बच्चों का - **1**

उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति करें -

(क) दिन गिनना

(ख) सिर झुक जाना

(ग) सच्चा सौदा

(घ) तार-तार होना

(ii) भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। क्योंकि '_________।'
उपर्युक्त लोकोक्ति से रिक्त स्थान की पूर्ति करें। **1**

(क) अपना हाथ जगन्नाथ।

(ख) आगे कुआँ पीछे खाई।

(ग) चमड़ी जाए दमड़ी न जाए।

(घ) अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता

(iii) 'ऐरा गैरा नत्थू खैरा' का अर्थ है — 1

(क) चतुर व्यक्ति।

(ख) प्रभावहीन व्यक्ति।

(ग) क्रोधी।

(घ) अजनबी और स्वस्थ।

(iv) 'रात-दिन एक करना।' का अर्थ है - 1

(क) कठिन परिश्रम करना।

(ख) कम बोलना।

(ग) चुपचाप पड़े रहना।

(घ) सफलता प्राप्त होना।

9. (i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है - 1

(क) माताजी ने काटा आम लता के लिए।

(ख) चाकू काटा से आम लता के लिए।

(ग) माताजीने लता के लिए चाकू से आम काटा।

(घ) काटा आम चाकू से लता के लिए माताजी ने।

(ii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है - 1

(क) वह दिल्ली गया।

(ख) वे दिल्ली गए।

(ग) वह दिल्ली गए।

(घ) वह दिल्ली में रहता है।

(iii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है - 1

(क) अपने को घर जाना है।

(ख) अब आप घर चले जाओ

(ग) सुधीर रोटी बनाया

(घ) सुधीर ने रोटियाँ बनाईं

(iv) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है - 1

(क) वे कहानी सुनाते हैं।

(ख) उन्होंने कहानी सुनाया।

(ग) उन्होंने कहानी सुनाई।

(घ) उसने कहानियाँ सुनाईं।

खंड 'ग'

10. किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए - 1x5=5

सारे शीतल कोमल नूतन,
माँग रहे तुझ से ज्वाला-कण
    विश्व-शलभ सिर धुन कहता मैं
    हाय न जल पाया तुझ में मिल
सिहर-सिहर मेरे दीपक जल !

(i) प्रकृति के सभी तत्व दीपक से क्या माँग रहे है? 1

(क) जीवनकण

(ख) प्रकाशकण

(ग) अग्निकण

(घ) जलकण

(ii) पतंगा अपना सिर धुनता है क्योंकि वह 1

(क) जलना नहीं चाहता।

(ख) भाग जाना चाहता है।

(ग) जलकर अमर होना चाहता है।

(घ) उदास है।

(iii) 'सारे शीतल कोमल नूतन' - किसके लिए आया है? 1

(क) सभी कोमल फूल।

(ख) जल और नदी।

(ग) विश्व के सभी मोहक सुंदर तत्त्व।

(घ) पेड़-पौधे, पशु-पक्षी।

(iv) 'सिहर-सिहर मेरे दीपक जल' क्या अर्थ है ? 1

(क) भयभीत होकर जलना।

(ख) ठिठुरते हुए जलना।

(ग) विपरीत परिस्थितियों में थरथराकर जलना।

(घ) दूसरों को डराते हुए जलना।

(v) शलभ का सामान्य स्वभाव है - 1

(क) दीपक को जलाना।

(ख) दीपक पर मर मिटना।

(ग) दीपक को बुझाना।

(घ) दीपक के पास रहना।

अथवा

खींच दो अपने खूँ से ज़मीं पर लकीर
इस तरफ़ आने पाए न रावण कोई
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

(i) 'साथियो' संबोधन किसके लिए आया है? 1

(क) शत्रुओं के लिए।

(क) देशवासियों के लिए।

(ग) नेताओं के लिए।

(घ) बच्चों के लिए।

(ii) कविता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि क्या है? 1

(क) राम-रावण युद्ध।

(ख) भारत-पाक युद्ध।

(ग) भारत-चीन युद्ध।

(घ) कारगिल युद्ध।

(iii) 'सीता का दामन' अर्थात - 1

(क) आँचल का सम्मान।

(ख) भारत का सम्मान।

(ग) नारी जाति का सम्मान।

(घ) सीता का सम्मान।

(iv) काव्यांश की पहली दो पंक्तियों में किस पौराणिक संदर्भ का संकेत है? 1

(क) युद्ध विराम रेखा।

(ख) लक्ष्मण रेखा।

(ग) मैक्महन रेखा।

(घ) विभाजन रेखा।

(v) किसके हाथ तोडने की बात कही जा रही है? 1

(क) भ्रष्टाचारियों के।

(ख) भारत पर आक्रमण करने वालों के।

(ग) शत्रुसेना के।

(घ) रावण के।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर लिखिए। **2.5x2=5**

(क) वज़ीर अली कौन था? उसने वकील की हत्या क्यों की?

(ख) जापान की टी. सेरमनी से क्या-क्या लाभ हैं?

(ग) प्रकृति में आए असंतुलन का क्या परिणाम हुआ है?

(घ) ख्यूक्रिन ने मुआवज़ा पाने की क्या दलील दी?

12. गिरगिट कहानी के माध्यम से समाज की किन विसंगतियों पर व्यंग्य किया गया है? क्या आप ऐसी विसंगतियाँ अपने समाज में देखते हैं? 5

अथवा

वज़ीर अली की चारित्रिक विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश ड़ालिए।

13. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -**

इस रोज़-रोज़ की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों की दूसरी जगह कर दिया है। उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है। खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात-भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं। मगर अब न सोलोमन है, जो उनकी जुबान को समझकर उनका दुख बाँटे, न मेरी माँ है, जो इनके दुख में सारी रात नमाज में काटे।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए। 1

(ख) 'उनका' शब्द किसके लिए आया है? 1

(ग) कबूतर कहाँ और क्यों बैठे रहते हैं? 1

(घ) लेखक क्या प्रतिपादित करना चाहता है? 2

अथवा

शुद्ध आदर्श भी शुद्ध सोने के जैसे ही होते हैं। चंद लोग उनमें व्यावहारिकता का थोड़ा-सा ताँबा मिला देते हैं और चलाकर दिखाते हैं। तब हम लोग उन्हें 'प्रैक्टिकल आइडियलिस्ट' कहकर उनका बखान करते हैं। पर बात न भूलें कि बखान आदर्शों का नहीं होता, बल्कि व्यावहारिकता का होता है और जब व्यावहारिकता का बखान होने लगता है तब 'प्रैक्टिकल आइडियलिस्टों' के जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते है और उनकी व्यावहारिक सूझबूझ ही आगे आने लगती है।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए। 1

(ख) आदर्श कब पीछे छूटने लगता है? 1

(ग) शुद्ध सोना और ताँबा किसके समान हैं? ऐसा क्यों कहा है? 2

(घ) 'प्रैक्टिकल आइडियलिस्ट' किसे कहते हैं? 1

14. (क) 'मनुष्यता' कविता का संदेश क्या है? 1

(ख) ''कहिहै सब तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात'' कथन को स्पष्ट कीजिए। 2

(ग) 'आत्मत्राण' कविता के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए। 2

15. 'सपनों के से दिन' के आधार पर पी.टी.मास्टर की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश ड़ालिए। 3

अथवा

इफ्फन के परिवार के जाने के बाद और नए कलेक्टर के आने के बाद टोपी के सामने क्या समस्याएँ थी?

16. टोपी ने इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात क्यों की? 2

खंड 'घ'

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग *100* शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) जीवन में परिश्रम का महत्त्व

- परिश्रम से लक्ष्य प्राप्ति
- परिश्रम ही सफलता की कुँजी
- परिश्रम का आनंद

(ख) बढ़ती जनसंख्या : एक गंभीर समस्या

- प्रमुख समस्या कैसे
- जनसंख्या नियंत्रण
- शिक्षा से जागरण

(ग) परोपकार

- महापुरुषों और प्रकृति के उदाहरण
- समाज एवं राष्ट्र की उन्नति
- कैसे करें।

18. रेलयात्रा में सामान चोरी हो जाने पर रेलवे पुलिस अधीक्षक को घटना का पूरा विवरण देते हुए पत्र लिखिए। 5

अथवा

धार्मिक स्थलों और सामाजिक उत्सवें में लाउड स्पीकर के मनमाने प्रयोग से होने वाली असुविधाओं का चित्रण करते हुए किसी समाचारपत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

- o 0 o -